राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, परेल, मुंबई

(भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) एवं

बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुंबई

का संयुक्त उपक्रम

BRIHANMUMBAI MAHANAGARPALIKA

" यौन संचरित संक्रमण तथा गर्भाशय मुख का कर्करोग के बारे में मुंबई के नागरी बस्तीयों में रहनेवाले शादीशुदा जोडीयों के ज्ञान एवं स्वास्थ सुविधा पाने के वर्तन में सुधार लाने हेतु अभ्यास "

गर्भाशय मुख का कर्करोग

गर्भाशय मुख का कर्करोग यह भारतीय महिलाओं मे सब से आम कर्करोग है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमे गर्भाशय मुख की पेशीयॉ कर्करोग से प्रभावित होती है। गर्भाशय मुख यानी गर्भाशय का द्वार जो की गर्भाशय का शुरूआत का अंग है। हर साल १,२५,००० महिलायें गर्भाशय मुख के कर्करोग से पिडीत होती है और लगभग ५०,००० महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यू हो जाती है। इसलिये यह बीमारी का जल्द से जल्द निदान करना तथा प्रतिबंध करना जरूरी है। इस पत्रक का उद्देश्य, गर्भाशय मुख के कर्करोग के बारे मे समाज मे जागरूकता निर्माण करना है।

गर्भाशय मुख के कर्करोग के लक्षण

प्राथमिक अवस्था मे गर्भाशय मुख के कर्करोग के कोई भी लक्षण दिखाई नही देते है । सामान्यत: ३५ साल या उससे ज्यादा उम्र मे निचे दीये हुए लक्षण गर्भाशय मुख के कर्करोग की सुचना देते है।

- दो महावरी (मासिक धर्म) के बीच के दिनो मे योनीमार्ग से खूनमिश्रीत स्त्राव निकलना।
- हर योन संबंध के बाद खून निकलना।
- महावरी बंद होने के बाद (रजोनिवृत्तिपश्चात्) योनीमार्ग से खूनमिश्रीत स्त्राव निकलना।
- अनियमित महावरी और योनिमार्ग से असामान्य खूनमिश्रीत स्त्राव निकलना।
- असाधारण थकान, कमजोरी, वजन कम होना।

पर यह ध्यान रहे की, गर्भाशय मुख के कर्करोग के लक्षण दिखने से पहले सरल जाँच (पॅप स्मिअर परिक्षण) द्वारा प्राथमिक अवस्था के गर्भाशय मुख के कर्करोग का निदान किया जा सकता है। उपर दीये हुए कोई भी शंकास्पद लक्षण दिखने पर शीघ्र ही डाक्टर से संपर्क करे।

पॅप स्मिअर परिक्षण क्या है ?

कर्करोग जैसी जानलेवा बिमारी तथा कुछ योन बिमारीयों के लक्षण प्राथमिक रूप में दिखाई नही देते है, पर पॅप स्मिअर परिक्षण से प्राथमिक अवस्थामेंही बिमारीयों का निदान किया जाता है। कर्करोग या कर्करोग के पुर्वस्वरूप सुक्ष्म बदलाव तथा जंतुसंसर्ग के कारण होनेवाली योन बिमारीयों का निदान यह परिक्षण से किया जाता है। १८ से ४५ उम्र की सभी शादीशुदा महिलाओंने यह परिक्षण दो साल में कम से कम एक बार करा लेना जरूरी है।

यह परिक्षण कैसे किया जाता है ?

यह परिक्षण सरल तथा वेदनारहित है। महिलाओं का विशेष परिक्षण करते समय योनिमार्ग से रूई के फुरेरी या ब्रश से पेशीयुक्त पानी निकालकर कांचपट्टी के उपर लेते है। प्रयोगशाला में इस पर विशेष रासायनिक प्रक्रिया करके सूक्ष्मदर्शक यंत्र से परिक्षण करते है। पॅप स्मिअर परिक्षण यह एक आसानी से होनेवाला परिक्षण है, ऑपरेशन नही। यह परिक्षण करते समय महिला को कोई दर्द या तकलीफ नही होती है। परिक्षण को तीन मिनीट का समय लगता है। महावरी (मासिक धर्म) के दिनों के अलावा कभी भी यह परिक्षण किया जा सकता है।

पॅप स्मिअर परिक्षण के फायदे :

- नियमित पॅप स्मिअर परिक्षण करा लेने से कर्करोग के प्राथमिक अवस्था में या पुर्वरूप में निदान और जल्द ही उपचार होने के कारण कर्करोग से होनेवाली पीडा तथा मृत्यू टल सकती है।
- पॅप स्मिअर परिक्षण से योन बिमारीयों का निदान और उपचार तुरंत होने से भविष्य में होने वाले गंभीर परिणामों को रोका जा सकता है।

गर्भाशय मुख के कर्करोग के संभाव्य खतरे

- छोटी उम्र मे विवाह
- योन गतिविधी की जल्द शुरूआत
- उम्र २० साल के पहले गर्भधारणा
- तीन से अधिक गर्भधारणा तथा दो गर्भ मे कम अंतर (इसके परिणाम स्वरूप गर्भाशय मुख को बार-बार चोट लगती है और चोट को ठिक होने का समय भी नही मिलता)
- एक से अधिक पुरूषो से योन संबंध या एक पुरूष के अनेक महिलाओं से योन संबंध
- जननांग की सफाई न रखना
- गुप्तरोग, विशेषत: एच्.पी.व्ही. (ह्युमन पॅपीलोमा व्हायरस्) का संक्रमण

इनमे से अधिकांश कारणों का प्रतिबंध हो सकता है, पर अज्ञान, अस्वच्छता और जागरूकता का अभाव इन कारणों से गर्भाशय मुख के कर्करोग से बडी संख्या मे महिलाओं की मृत्यू हो जाती है।

गर्भाशय मुख के कर्करोग के खतरे से कैसे बच सकते है?

- ३० साल की उम्र के बाद पॅप स्मिअर परिक्षण करा लेना बहोत ही महत्त्वपूर्ण है।
- १८ साल के बाद शादी, जिसमे पहले योन संबंध की उम्र बढ़ा दी जा सकती है।
- गर्भानिरोधकों का इस्तेमाल करके पहला बच्चा होने की उम्र को बढ़ाकर २० साल के बाद करें।
- दो बच्चो मे अंतर रखने के लिये कुटुंब नियोज़न साधनों का उपयोग किजिये। लगातार या तीन से अधिक गर्भधारणा न होने दे।
- योनसंबंध के दरम्यान योनरोग से सुरक्षा पाने के लिये निरोध का उपयोग किजिये।
- योनमार्ग तथा जननेंद्रियों को साफ रखिये तथा आपके साथी के जननांग की स्वच्छता भी बहोत जरूरी है।
- जीवनशैली में कुछ बदलाव, उदाहरणार्थ -

  कम उम्र मे योन संबंध नही करना

  एक से अधिक व्यक्ति से योन संबंध नही करना

गर्भाशय मुख के कर्करोग को प्रतिबंध करने के लिये आप क्या कर सकते है?

आपको मिली हुई जानकारी आप दुसरे को दे सकते है। कर्करोग से होनेवाले दु:ख, यातना व मृत्यू से यह जानकारी आपको दूर रख सकती है। जल्द से जल्द निदान और उपचार से गर्भाशय मुख के कर्करोग को नियंत्रित कर सकते है

राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान और बृहन्मुंबई महानगर पालिका के संयुक्त उपक्रम द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रसूतिगृह टागोर नगर नंबर-७, विक्रोळी (पुर्व) में हर चौथे गुरूवार को सुबह १०.०० से दोपहर १.०० बजे तक महिलाओं के लिये पॅप स्मिअर परिक्षण शिबिर आयोजित किया जाता है। यह तपास मुफ्त होता है। सभी महिलायें इस परिक्षण का लाभ अवश्य ले। आप भी अपने परिवार के सभी शादीशुदा महिलाओं का पॅप स्मिअर परिक्षण जरूर करा लिजिये और कर्करोग से दूर रहीये।